कुमारप्पा ग्राम स्वराज संस्थान
वार्षिक कार्य विवरण (सामाजिक उत्थान में सहभागिता)
वर्ष 2021–2022

वर्ष 2021–2022 में संस्थान द्वारा गांव एवं शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए जो कार्य किये गये उसकी जानकारी प्रस्तुत है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि संस्थान ने जो भी कार्य किये उसके सामाजिक, आर्थिक पक्ष को निम्नलिखित रूप में देख सकते हैं – (क) विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा, सेवा भाव से सामाजिक दायित्व (CSR) के अन्तर्गत प्राप्त आर्थिक साधन–सहायता। (ख) मित्रों के प्रयास से ग्राम विकास की भावना से प्राप्त आर्थिक सहायता। (ग) स्थानीय लोगों द्वारा खासकर युवकों द्वारा सामाजिक सुधार, असामाजिक एवं गलत आदतों से मुक्ति का प्रयास करना। इस दृष्टि से व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों स्तर पर प्रयास किये गये।

1. **<u>वर्षा जल प्रवाह–सर्वेक्षण</u>** – संस्थान द्वारा वर्षा जल का कुआँ में पुर्नभरण मुख्य विकास कार्य है। इस कार्य को कृषि उत्पाद में वृद्धि का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए जयपुर एवं टोंक जिले के वर्षा जल प्रवाह (बहाव) एवं उससे बने बरसाती नाले का तकनीकी सर्वेक्षण का कार्य हाथ में लिया गया। इस संबंध में उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार के तकनीकी विभाग ने राजस्थान का जिलेवार या यों कहें वर्षा जल के बहाव एवं उससे बने नाले आदि का ''एटलस'' तैयार किया गया था। यह एटलस आज भी उपयोगी है।

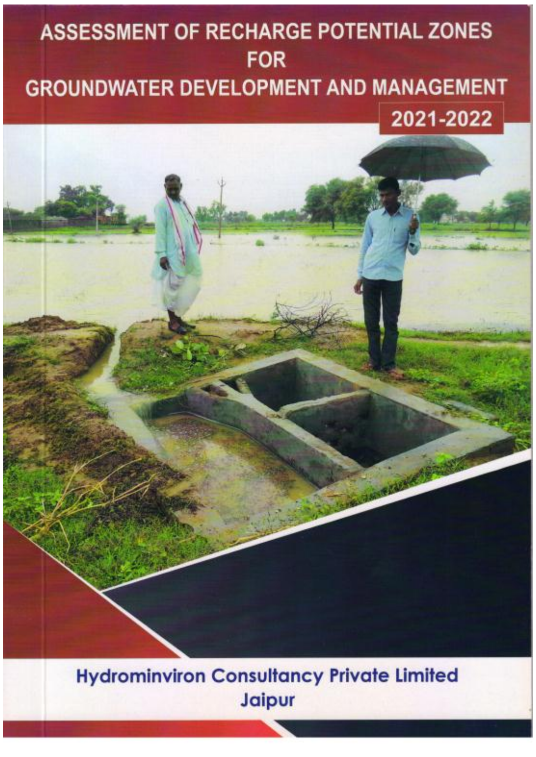

संस्था ने उसे ध्यान में रखते हुए जयपुर–टोंक जिले के वर्षा जल के बहाव का निम्नलिखित सर्वेक्षण किया है जो आगे भी चलता रहेगा। (क) वर्षा जल के बहाव को, उस क्षेत्र में जाकर अवलोकन किया गया। (ख) बहाव क्षेत्र (नालों) से जुड़े गांवों का अवलोकन किया गया। (ग) गांव के लोगों से वर्षा जल के बहाव, पानी की मात्रा आदि की जानकारी ली गयी। (घ) गांवों में कुआं एवं उसमें पानी की स्थिति, वर्षा में कुओं में पानी की स्थिति की जानकारी ली गयी। (च) गांव में सूखे कुंओं की जानकारी तथा उसमें वर्षा जल के पुर्नभरण की स्थिति को देखना एवं ग्रामीणों से चर्चा। स्पष्ट है अभी तक ग्रामीणों को इसके लिए किसी प्रकार की आर्थिक आश्वासन नहीं दी गयी है – यह आर्थिक साधन प्राप्ति के स्त्रोत पर निर्भर है।

इस कार्य में कार्य संचालक डॉ. अमित कुमार, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रभारी श्री हनुमान सहाय शर्मा, अन्य स्थानीय कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा। तकनीकी दृष्टि से विशेषज्ञ श्री पी.एन. भार्गव की सलाह से क्षेत्रीय रिपोर्ट को तैयार किया गया है।

2. **वर्षा जल पुर्नभरण कार्यक्रम** – बजाज आटो लि. के सार्वजनिक हित कार्यक्रम (CSR) के अन्तर्गत प्राप्त आर्थिक सहयोग से समीक्षा वर्ष में 15 कुंओं पर वर्षा जल पुर्नभरण का कार्य किया गया। इस कार्य के लिए एस.जे.एस. एन्टरप्राईजेज, बैंगलोर से भी 5 कुंओं के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है।

3. **ईट–भट्टों पर कार्य कर रहे परिवार के बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा** – यह कार्य ''आशा'' (सं.रा.अ.) संस्था, एस.जे.एस. एन्टरप्राईजेज, बैंगलोर एवं अन्य मित्रों के आर्थिक सहयोग से चल रहा है। कोरोना आपदा में इस कार्य में कुछ व्यवधान आया। इस वर्ष यह कार्यक्रम विधिवत चल रहा है। कार्यक्रम दो क्षेत्रों में चल रहा

है – (क) चाकसू पंचायत समिति (ख) फागी पंचायत समिति। दोनों क्षेत्रों में कुल 15 ईट–भट्टों पर परिवार के साथ रह रहे छात्र–छात्रायें शामिल हैं। इस वर्ष कुल 787 छात्र–छात्राओं को इस कार्यक्रम का लाभ मिल रहा है। लड़कों की संख्या 416 और लड़कियों की संख्या 371 है। इन्हें मुख्यतः अक्षर ज्ञान, प्रारंभिक गणित एवं जीवनोपयोगी रूचिकर कहानी के माध्यम से ज्ञानवर्द्धन का प्रयास किया जाता है। पढ़ाई के स्तर को देखें तो अक्षर ज्ञान से 5वीं कक्षा तक के विद्यार्थी हैं जिन्हें उसी अनुसार पढ़ाने का प्रयास है। इस कार्य में सभी शिक्षक स्थानीय हैं। शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रही प्रथम संस्था द्वारा अल्पकालीन प्रशिक्षण दिया जाता है। पाठ्य सामग्री सामान्यतः इसी संस्था द्वारा तैयार कर दी जाती है। इस कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता है कि शिक्षक एवं विद्यार्थियों को एकाग्रता एवं मानसिक विकास के लिए विपश्यना का अभ्यास कराया जाता है। इस कार्य में जयपुर विपश्यना समिति विशेषकर सुश्री आशा जी का प्रयास प्रशंसनीय है।

4. **<u>असहाय लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने में सहयोग</u>** – विनोबा ज्ञान मंदिर की सहभागिता से ग्रामीण क्षेत्र के अशिक्षित, योजना की जानकारी नहीं रखनेवाले लोग, वृद्ध पुरुष–महिला, असहाय महिला एवं दूर–दराज के गांवों के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में संस्था के कार्यकर्ता का महत्वपूर्ण योगदान है। इस कार्य के लिए उन्हें ई–मित्र एवं लैपटॉप आदि उपलब्ध है। कार्यकर्ता मोटर साइकिल से गांवों में जाकर विभिन्न प्रोफार्मा भरकर तथा अन्य जानकारी प्राप्त कर ई–मित्र के नाते ऑनलाईन फार्म भेजने का कार्य करते हैं। समीक्षा वर्ष में 1408 व्यक्तियों को रू. 82.69 लाख का लाभ दिलाने का कार्य किया गया।
5. **<u>शराब मुक्त लोगों द्वारा आत्मबल बढ़ाने की दृष्टि से चर्चा</u>** – प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐसे लोगों द्वारा चर्चा कार्यक्रम चला जिन्होंने शराब पीना छोड़ दिया या छोड़ने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोग चर्चा में शामिल होकर मनोबल बढ़ाते हैं। विनोबा ज्ञान मंदिर में इसके लिए निःशुल्क स्थान की सुविधा दी है। यह चर्चा सप्ताह में 3 दिन सोमवार, गुरुवार एवं रविवार को सायं 6 से 7.30 बजे तक होती है। इस चर्चा में 10 से 30 व्यक्ति शामिल होते हैं। शामिल होनेवालों ने अपेक्षा रखी है कि उनका नाम प्रचारित नहीं किया जाये।
6. **<u>निवाई स्थित लक्ष्मी निधि सहकारी समिति</u>** – स्थानीय महिला मंडल द्वारा संचालित एवं कुमारप्पा संस्थान द्वारा प्रेरित लक्ष्मी निधि सहकारी समिति अपने स्तर पर कार्य कर रही है। आवश्यकता पड़ने पर संस्था की ओर से सलाह दी जाती है। समिति मुख्यतः तत्कालिक आवश्यकता के लिए अल्पकालीन कर्ज देती है। सदस्य अपने सुविघा अनुसार बचत राशि समिति में जमा करते हैं। समिति की स्वतंत्र व्यवस्था है।
7. **<u>कोरोना आपदा सेवा</u>** – वैसे कोरोना का विकराल रूप प्रायः समाप्त माना जा रहा है। फिर भी तीसरी लहर की आशंका एवं प्रभाव को देखते हुए सेवा कार्य, नियमों की पालना की प्रेरणा देने का कार्य किया गया। लोगों के सहयोग से मास्क, ग्लवस, ऑक्सीमीटर आदि चिकित्सालयों, आंगनबाड़ी एवं कार्यकर्ताओं के माध्यम से देने का कार्य किये गये। इस कार्य से चाकसू, कोटखावदा, निवाई के गांव लाभांवित हुए हैं।

वर्षा जल पुर्नभरण कार्यक्रम – लाभांवित किसानों के नाम

क्र.सं.	किसान का नाम	सदस्य संख्या	कुंआ की गहराई (फुट में)
1.	रामप्रसाद गुर्जर, ठीकरिया गुजरान, चाकसू, जयपुर	11	80
2.	कानाराम मीना, बावनपुरा, चाकसू, जयपुर	22	90
3.	लादूराम बैरवा, लादूवाली ढाणी गरूडवासी, चाकसू, जयपुर	50	105
4.	गणपत सिंह, कंवरपुरा, चाकसू, जयपुर	17	120
5.	बहादुर सिंह, कंवरपुरा, चाकसू, जयपुर	11	75
6.	हीरालाल मीना, बासडा उर्फ बालमुकुन्दपुरा	35	130
7.	चुन्नीलाल मीना, बासडा उर्फ बालमुकुन्दपुरा, चाकसू, जयपुर	20	120
8.	रामप्रसाद शर्मा, देहलाला, चाकसू, जयपुर	13	105
9.	कैलाश मीणा, हीरापुरा, चाकसू, जयपुर	14	90
10.	रामसहाय मीना, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	6	100
11.	रामप्रसाद मीना, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	6	110
12.	प्रहलाद शर्मा, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	20	120
13.	रामराय शर्मा, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	20	125
14.	रामकिशोर शर्मा, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	20	110
15.	हरिशंकर शर्मा, नरोत्तमपुरा, चाकसू, जयपुर	17	120
16.	रा.उ.मा. विद्यालय , देहलाला, चाकसू, जयपुर		50
17.	प्रभुदयाल बैरवा, लादूवाली ढाणी गरूडवासी, चाकसू, जयपुर	30	80
18.	सोनी देवी मीणा, बाढमुरलीपुरा, चाकसू, जयपुर	52	100
19.	गोपाल मीणा, चाकसू, जयपुर	54	90
20.	प्रभातीलाल बैरवा, देहलाला, चाकसू, जयपुर	40	90